॥ श्रीः ॥

उर्दू शतक

अर्थात्

उर्दू भाषा के कवित्त और सवैया

रीवां निवासी—

स्वर्गीय रामानन्द कवि कृत

बा० दुर्गाप्रसाद खत्री प्रोप्राइटर

लहरी प्रेस, द्वारा प्रकाशित

शंकरदत्त बाजपेयी द्वारा

भारतजीवन प्रेस, काशी में छपा।

१९२३